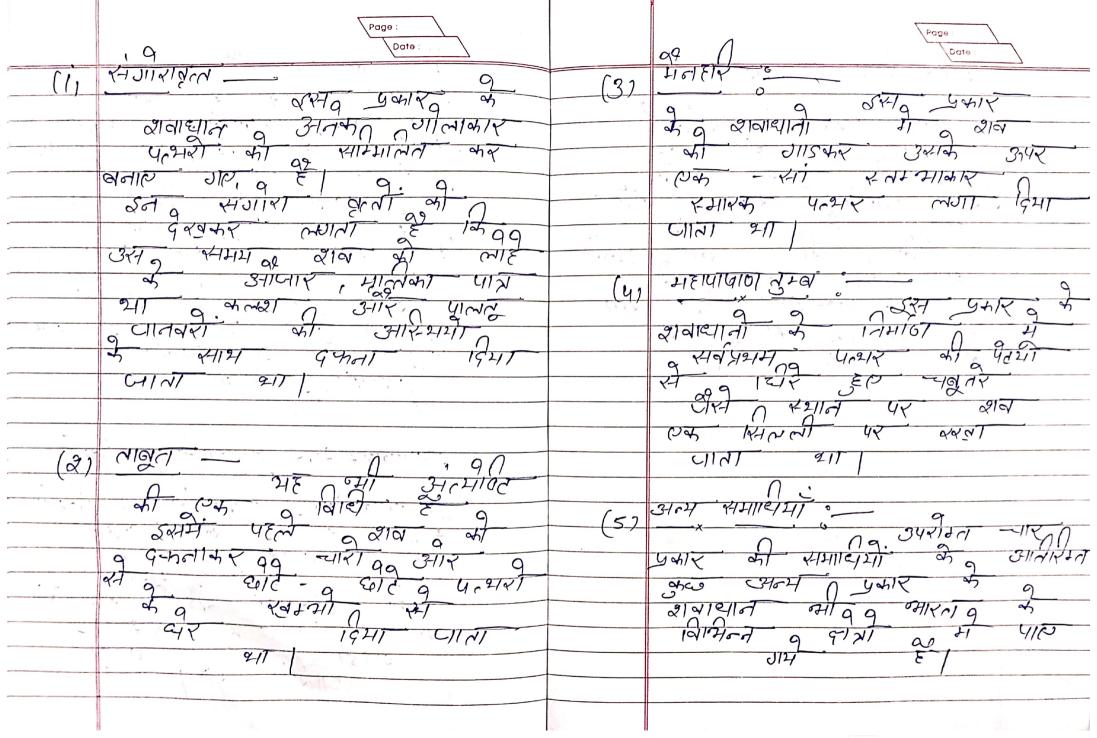
MAA OMWATI DEGREECOLLEGE, HASSANPUR (PALWAL)

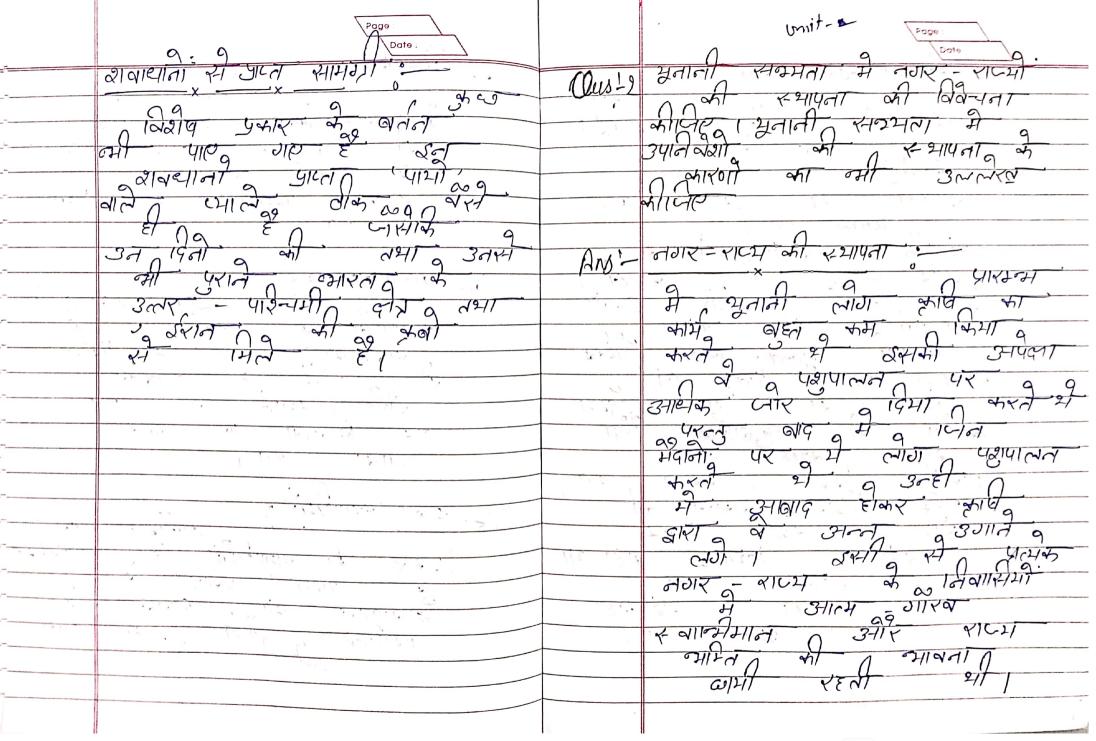
NOTES M.A(History) 2nd Semester,

Ancient Socienties(Paper-1)

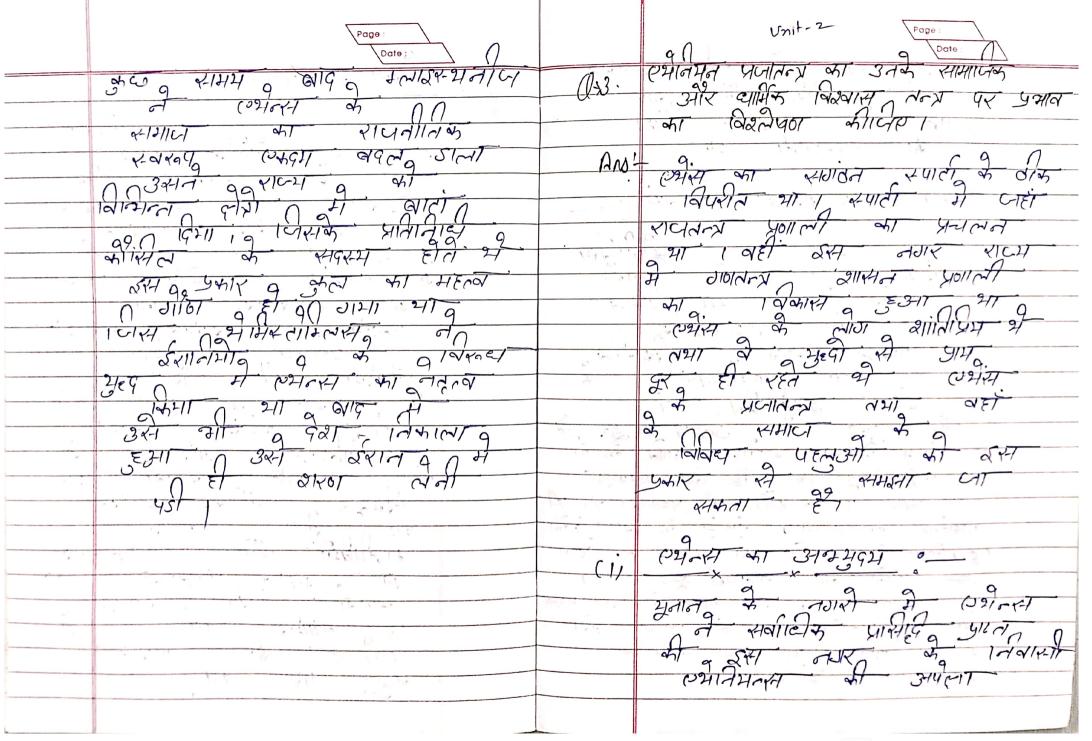
M·A (History) 2-Serveston, PAPER-II
Important questions (Ancient societies) महापाषाणाम क संस्काल का उद्मा 1000 र मुक्त अनासमासम दादाण HE1416101 901

HE141910114 1000 nd. 915101 009 MIE (महापाषाठाग्या वावशाना 18/21/07 श्रीयाधान 244 2191411 311921 11 1117





4-110-10



नाम से उनाटक प्रनातित वहा नेवद्यायी-990 990 9411 211 MITH A 10101 MITH A 10101 MITH A - शिहार दी जाती क्रिहाका का काम कर्मध शान्ता प्रम (m) त्मा वंहा वंश - परम्पर) र्यरहारो न्यी प्रधानरा मनमानी 6218090) ने लानूनी को यह युड 13 वर्ष तक न्यस्त नेतृत्व किया समाज में व्यापारियों का महत्व तथा एसका बाह अया / उसने राज्य को विभिन्न होग्रो ा भूनान में बाँट दिया १६म जनार कुल विकास द्या बोलेक ल्योन्स यूनानी रम्यता महत्व गींग हो गया (क्या नेप्रेख केन्द्र वन गर्या ।

मेसिडानिया जा मिरिक्तील : व्या युग ('iv') (ex) 3con U राजसत्या जीतकरः विशास मेरिन्डोनिया सामाज्य ~= 3115 SHI युनानी श्रीराशन का रेवरो -युग कहा जनत्र का समयंका र्नार-कार्रक 1929 919 ऐसा प्रभाव था 326 80 40 2 एघेन्स पापस लाट विवीलीन पेलोपोनोशियन युद्ध उसके स्थेनापीत्यो आाध्यपत्य - अस-्रोध जिसका वेलोपोनीकोयन युद्ध ज्लाहरे

Dani उम-प सभाएं (2) द्येमरकातीन रमम्यता की संहोप र्भारार 472401 (2) जल्लासिकत्य युग पर कियान यग. ०५वर-५/ थुनान CU9(-U) (ii) शुजा (1) एस सेना सर्वोच्य प्रशेहित जाता था

RE4- HE4 4-17/16/ आश्चिष्ठा GRITA

Unit -3 (iii) उनरस्त के रासता सम्बन्ध विन्यार उसका ा क्रिक्टी भी उस समय ग्ट्रामी 311924901/2012 पभाग 100 उनका असीन milyoni on 2-7.) on 3119240nNI 457 6A-dison परिकाम जारता and 02(31) pen: 2412 मे प्रासी के प्राम का महत्पपूर्ण आग ययोधवारी तथा त्यावहारिक विचारक वह कीवल भाषनामा को th clossian आराधना क्री जापे तो वे असन्न होकट अनुस्य को सुर्था और श्रामित प्रहान निर्वाणितः शास्यो को निवासिया हिंह तथा सम्पदा पर विद्याला का arisect 31/2 may अविकार न्होता ही-सरम्त दास का में पुतान जी कोड विशेष सांस्कृतिक उन्तर परिकारिका सम्पोल ही उसकी परिवाट की लिए - आवश्यक नहीं हरे । इस पुरा की सम्पता । अनान की ans 40/01 340m201 & WH उगरोम्मक रतम्मता को नाम से प्रकारी जाती 34m(0), 34m(0) 3LU 34m(0)) हिरम लात जाती आशा नहीं कर्म जा सकती होते हो उसी पुष्णा शत ; जो सजीव श्री कि इस पुरा में त्युनान ने वेसी ही उपलाए। ही निजीव उपनारण की तुलना उन्मति क्यी होगी कि उसका आपे अञ्चल ही निर्मात उपन्मर्गी से लभी वाले नाला में हो OMIN 1011 611 अलागा

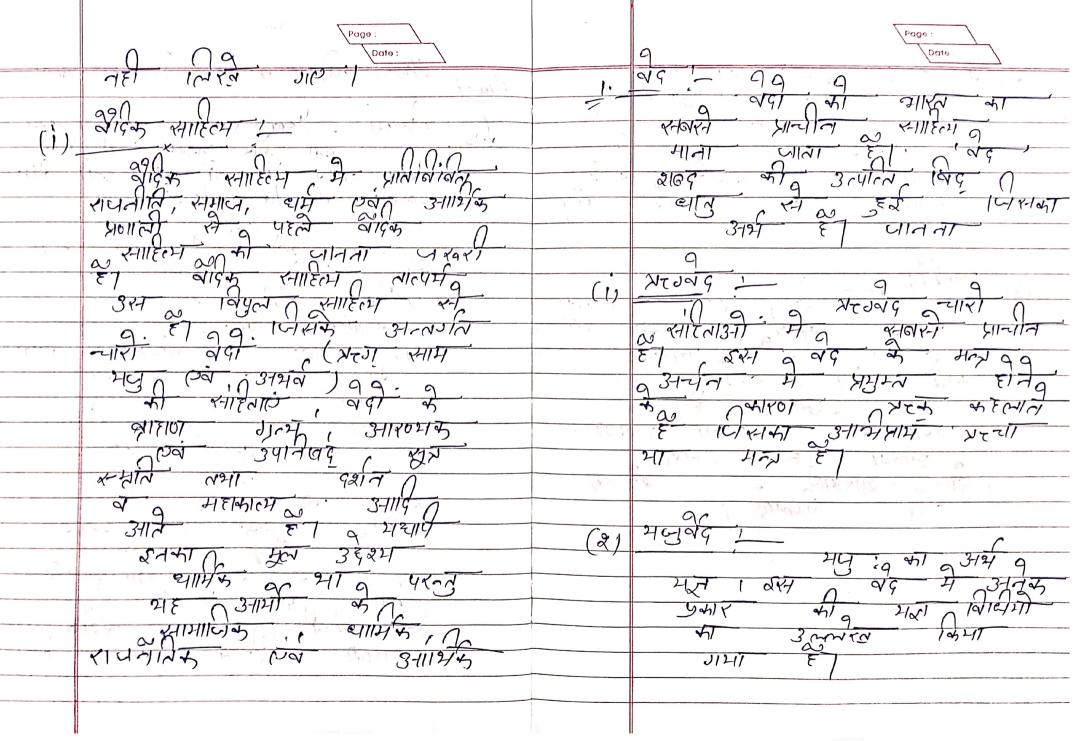
दास- प्रधा के आह्यार じょり आवश्यक त्रस - प्रधा .(क्य स्वामाविक) व्यवस्था दास म के अधीन एह (11) रमाश्राविक शस्त्र 2) न क्रावल 2164 on Grily of ont बन्दी लोग भी पास शस प्रथा के बारे में अरस्त की मानवीय ट्रेसी मानवीय व्यवस्था ए प्रस्तुतं - काता

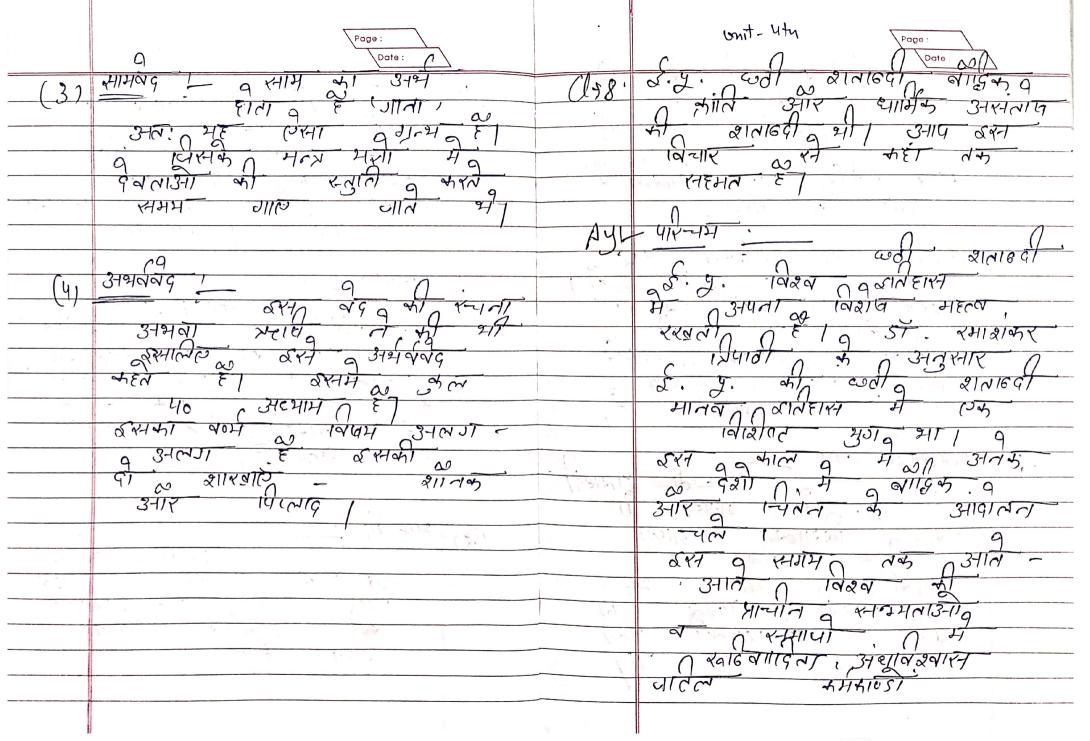
द्रास अथा अाक्षीत्रका नहीं है। मनुखा पहली अपवस्था यह है कि अवामी विभिन्नता तथा शिष्ट क्री लुशायता भे में हित समान ही और दास - प्रया ना होते हुए भी (क्या पाछीनेका समामना होती ही दास और स्वाभी के सम्बन्ध की आख्यपूर्ण दास प्रथा की पर्णन क्यों देख कार मेकासी ने डीका ही काहा है कि इस पुरत्यका की भी और सहयोगियों के रूप में देखना न्याहता है अवस सोसिस लार दिया जाना न्याहिल अरख्त के मत में दास की की शारीरिक लासी की सरक्या को वहाने को प्रा शिक्त अधिक अध्य होती है हास्त्री अभी संस्वाम अर्था वहाने रोम मे दास प्रधा न्यारिको ते ज्यादा संख्या दासी भी थी। - M असरी व्यवस्था उसकी यह धारणा ह कि दूरनता प्राकृतिक भुगो की कारवा उसका कोई लाउनी पहा नहीं ही इसोलेट कालांतर में वे अपनी करने में भी असमप ही गए / अरस्तु का अत है कि समस्त दासी की अपने सम्प्रेख स्थानन्ता - प्राप्ति ला होय ही अंतिम दास प्रधा की विषय में श्रीतद्दारमकारों क में पृखना न्योहर विचार र मानव समानं में दार प्या ली भारता ने हुई दासता मनुक्ती के पापी का २०५ है यह इस जन्म या पूर्व ज्ना के अरस्तु जी शस - प्रथा जी धारणा जी आत्रोचना पिरमाधा के अनुसार कुद व्यक्ति आमा देने कि भिए कुद आमा मानेन के लिए पहा पापी जा प्रतिज्ञ भार है। विसे प्रत्मेक जा भूगतना होगा /

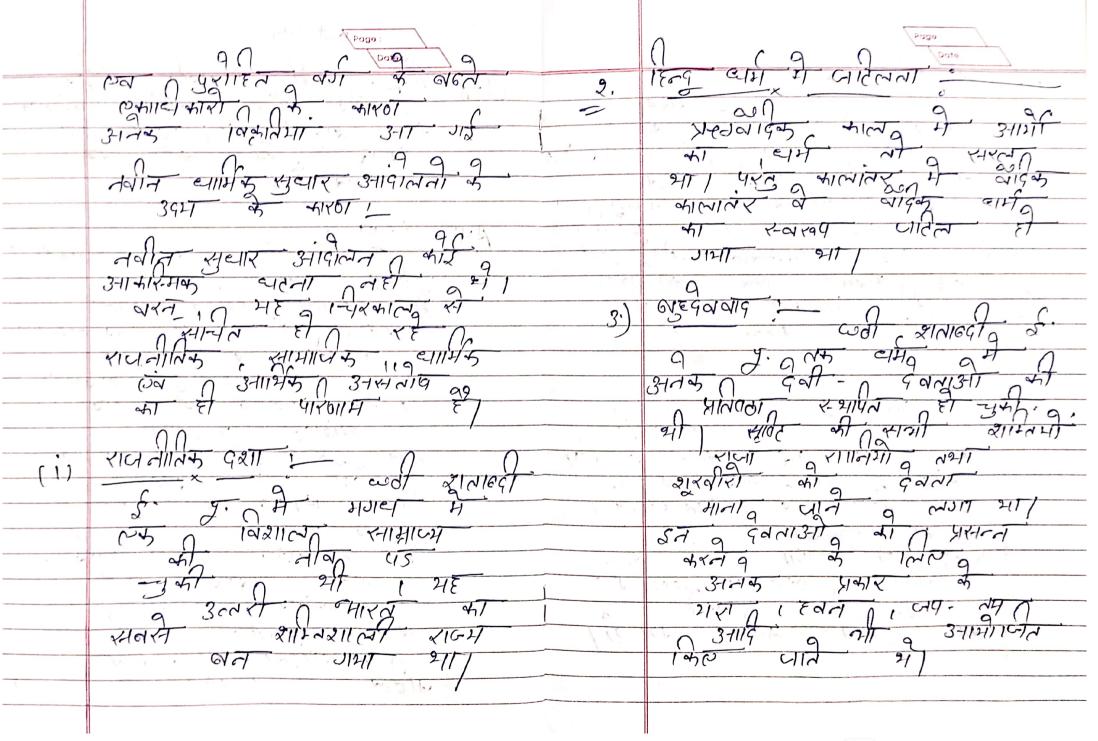
रोमन सामाहय के पतन के मुख्य 3-Quu-6 - (भोड कालीन रोमन सामान्य onkol onell विभिन्न जारियों के लोग र्मिन स्नामाज्य की प्रम की कार्ठा श्विरियन के समय इउलें तथा स्पेन को लोग ने विहाह किए। देश में सर्वप्र सीजर तथा आगस्यम प्रेस अशान्ति तथा अराजकता का वातारण रोमन साम्राज्य की विशालता व्यो परनु जन्द ही उसी ब्यामान्य का पतन ही गमा 4-भारकास भारियस जैसे अग्रसका विशालग अधिकातर रामन रनम्।2 सिकान्दर तथा अस्तीय नेपोलियन भी रन्यापित नहीं कार अकरित 319-11 यही ब्लार्ग या कि जब तन्न जीरेयस 'सीजर, उमास्यस नार्म मार्कस नोशियस जस पत्नी जोतोहन ५०० गोधिया on दुध 'स्नान onरने को मांगती शी एह तब तक रोमन र्शास्त्राज्य _ प्रगाने <u>क्र</u>िता स्मामाणिक पतन 5 क समरन्य स्भान को - पश्चिम्यन तथा प्लीवियन मे बरा स्नामान्य का विभाजन ध्या था रामन समान 1- 4-12/12 अपने शासन काल को प्रवी शेमन तथा यहिन्मी रोम निस्त भी तरह के स्वामाधिक अदिकार नामक की आगों में विभाषित कर अप्ता नहीं थे

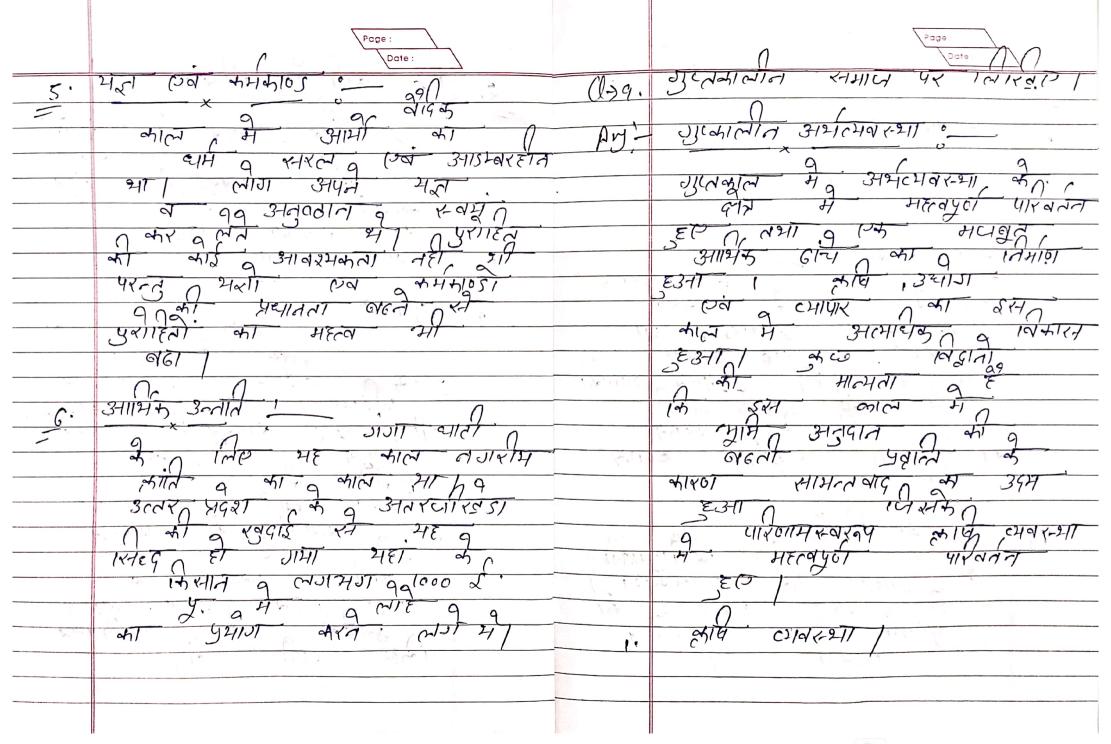
रोम ज्मी स्मामाज्यवादी नीति विदेशी जातियों की आक्रमण म जित्रने भी शासका अद्भी पर वैठे, उन्होंन सामाण्यवादी -12 क्या दिए। हर्णी ने शेम पर वार-वार आक्रमण काए । 420 80 में आलारका ने नेतल भाषालयं के समय शाही सेना भीयो तथा पपढ र में हों। ने छोट्ना के धन वरसाया गया / रोमन *जिस्मी के आक्रमण होने लागे* नित्व में रोमन प्रामाख्य पर अाक्रमण कर दिया परिवार नियन्त्रण स्नेना में (ज्लता का 'अभाव 10-अनसरव्या कारे होकाने के न्ती स्तुरक्षा हैत. एंक विद्याल A-91 on 181 क्रिया ज्या ग्या विसमे व भेन्न न भेन्न जारिय भियोजन प्रथा को अपनाया गया हामी के लोग अंगिमल ये। ऐसी सेना अमिरिकार पारिवारिका सम्पन्ना को न्यक्नर में पडलटं रोमनो ने अपने परिवाद pond on sixty all रखना रूथ्य नार दिया (अनस्टा नारी नारी यो-वनीय आधिक खावस्था भी रोम को प्रम का प्रख्य कारता है अरेजांगरी निते धन उन्चको के पास ही रह जारा पा रोमन के किसाना औ दशा बहुत ही = 19देशी में yons one त्याप क्योन्वनीय भी उन्हें कार भी अहत देना पडता अलाम देश पर एक भाट की ऑगस्यस या । यतः व्योषे को प्रते अन्ती सीचे देणाताट क समय 20,000 क्या गाही केग कार्म होने लगी, 1 समाज मे मुक्त खाना रखाने की। भारकास को समय असेबो जा पोयंग कारता था। विसक लेशेजगारी व्यी श्रास्का 30 हजाट वर्ज जारण याने! अर्ने: रोम जा पत्रन हो गया। पद्च अपी भी

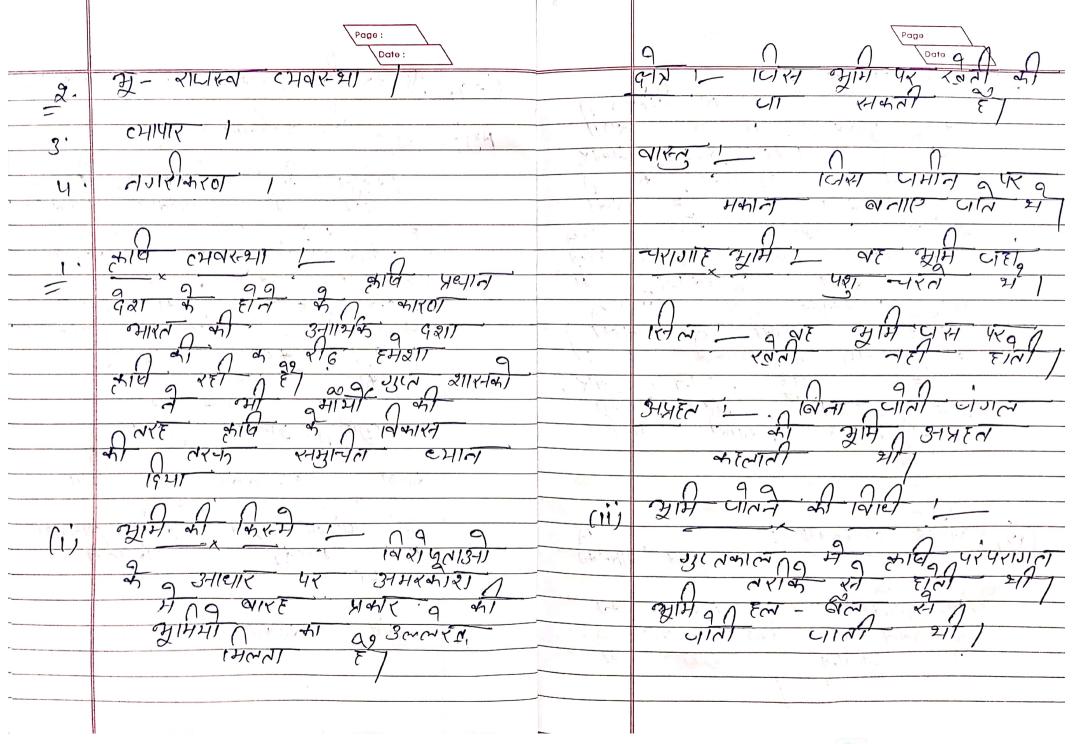
UMI on 1407 रनामान्य पर 4804901 ४नाम्नाउप 2 41 372/91

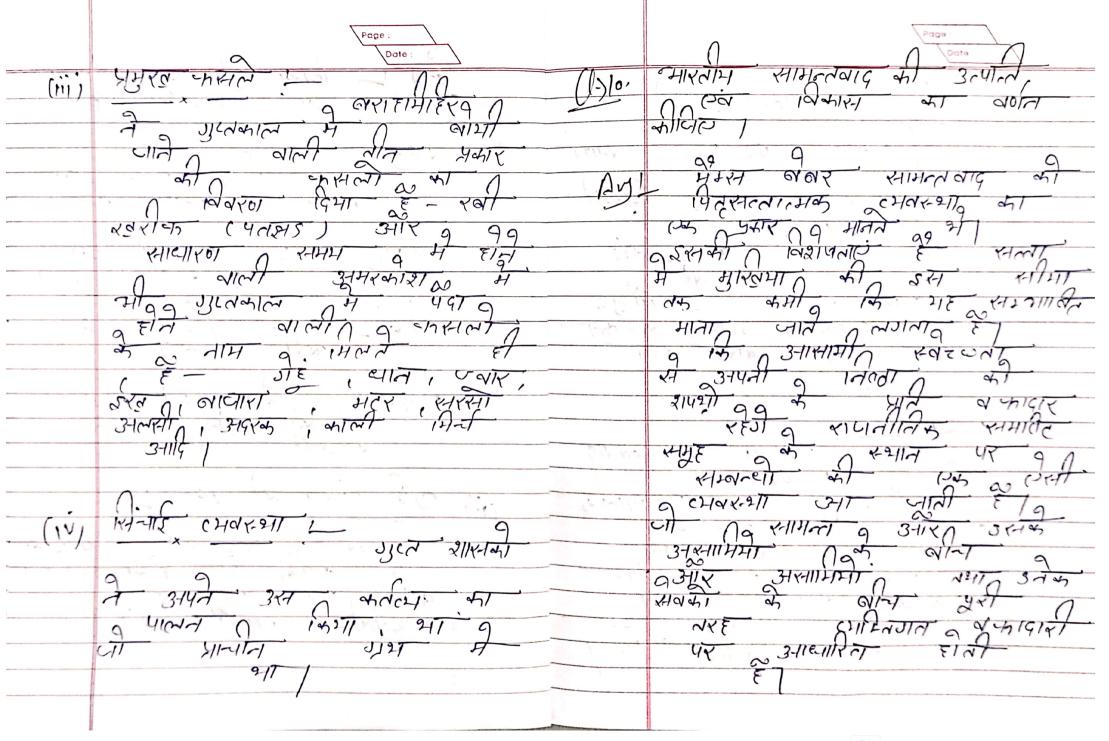












411cm भागि ८/ 2017-4-1210-1 10/2/14 3(44) X-11HONAIG 47 00 4-4141 4211 GITHON 3-114/18

